केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली आधारित

हिंदी पाठ-संपादन एवं अशुद्धि-शोधन डिप्लोमा पाठ्यक्रम

अवधि : एक वर्ष (कुल 40 क्रेडिट)

पाठ्यक्रम की भूमिका - भाषा किसी भी समाज की बौद्धिक चेतना, सांस्कृतिक निरंतरता और ज्ञान-संप्रेषण का मूल माध्यम होती है। हिंदी, जो भारत की सर्वाधिक व्यापक रूप से प्रयुक्त और संवैधानिक रूप से प्रतिष्ठित भाषा है, आज शिक्षा, प्रशासन, मीडिया, साहित्य, तकनीक और डिजिटल संचार के विविध क्षेत्रों में निरंतर विस्तार कर रही है। इस व्यापक प्रयोग के साथ-साथ भाषा की शुद्धता, स्पष्टता और मानकीकरण की आवश्यकता भी पहले से कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। ऐसे परिदृश्य में पाठ-संपादन एवं अशुद्धि-शोधन का महत्व स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है। हिंदी पाठ-संपादन एवं अशुद्धि-शोधन केवल वर्तनी या व्याकरण की त्रुटियों को सुधारने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भाषा की संरचना, शैली, भाव-संप्रेषण और संदर्भगत सुसंगति को सुदृढ़ करने की एक वैज्ञानिक एवं सृजनात्मक प्रक्रिया है। एक दक्ष संपादक पाठ की अंतर्वस्तु को सुरक्षित रखते हुए उसे पाठक के लिए अधिक सहज, प्रभावी और विश्वसनीय बनाता है। विशेष रूप से अकादमिक लेखन, शोध-प्रबंध, पाठ्यपुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सरकारी दस्तावेज़ों तथा डिजिटल सामग्री में संपादन और अशुद्धि-शोधन की भूमिका निर्णायक होती है।

पाठ्यक्रम का नाम- हिंदी पाठ-संपादन एवं अशुद्धि-शोधन डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम की अवधि- हिंदी पाठ-संपादन एवं अशुद्धि-शोधन डिप्लोमा पाठ्यक्रम की अवधि 12 माह की होगी।

अध्यापन विधि- पाठ्यक्रम की मूल अवधारणाओं जैसे वर्तनी, व्याकरण, विराम-चिह्न, मानकीकरण, शैली और भाषिक अनुशासन आदि को स्पष्ट करने के लिए व्याख्यान पद्धति अपनाई जाएगी। साथ ही प्रश्नोत्तर और संवाद के माध्यम से शिक्षार्थियों की जिज्ञासा एवं सहभागिता को प्रोत्साहित किया जाएगा। साहित्यिक, पत्रकारीय, शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पाठों के चयनित अंशों के माध्यम से अशुद्धियों की पहचान और सुधार कराया जाएगा, ताकि शिक्षार्थियों में पाठ को सूक्ष्म दृष्टि से पढ़ने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित हो सके। इस पाठ्यक्रम की अध्यापन-प्रक्रिया का प्रमुख आधार व्यावहारिक अभ्यास है, इसलिए शिक्षार्थियों को नियमित रूप से संपादन, अशुद्धि-शोधन और पुनर्लेखन के कार्य दिए जाएँगे, जिससे वे सैद्धांतिक नियमों को व्यवहार में लागू करना सीखते हैं।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य- 'हिंदी पाठ-संपादन एवं अशुद्धि-शोधन डिप्लोमा पाठ्यक्रम' के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के मानक रूप, व्याकरणिक संरचना, वर्तनी नियमों, विराम-चिह्नों, शब्द-चयन, वाक्य-विन्यास तथा शैलीगत सूक्ष्मताओं का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। यह पाठ्यक्रम न केवल सैद्धांतिक समझ विकसित करता है, बल्कि प्रशिक्षणार्थियों में पेशेवर संपादन कौशल, आलोचनात्मक दृष्टि और भाषिक संवेदनशीलता भी विकसित करता है। वर्तमान समय में जब हिंदी सामग्री का उत्पादन मुद्रित माध्यमों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर

तीव्र गति से हो रहा है, तब प्रशिक्षित हिंदी संपादकों और अशुद्धि-शोधन विशेषज्ञों की माँग निरंतर बढ़ रही है। यह डिप्लोमा पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख बनाते हुए उन्हें प्रकाशन, मीडिया, अनुवाद, शैक्षणिक संस्थानों और स्वतंत्र भाषा-सेवाओं के क्षेत्र में सक्षम भूमिका निभाने के लिए तैयार करता है। इस प्रकार यह पाठ्यक्रम हिंदी भाषा की गरिमा, शुद्धता और प्रभावशीलता को बनाए रखने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक पहल सिद्ध होता है।

पाठ्यक्रम के लिए अर्हता- प्रस्तुत पाठ्यक्रम एक तकनीकी और दक्षता संबंधी पाठ्यक्रम है इसके लिए अपेक्षित भाषा-ज्ञान की आवश्यकता और समझ होना आवश्यक है। इसी संदर्भ को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम की प्रवेश योग्यता किसी भी विषय में स्नातक एवं स्नातक स्तर पर एक विषय के रूप में हिंदी को रखा गया है।

पाठ्यक्रम का संचालन- यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानक के अनुसार विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (Choice Based Credit System) पर आधारित होगा। 'हिंदी पाठ-संपादन एवं अशुद्धि-शोधन डिप्लोमा' पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए अभ्यर्थी को कुल 40 क्रेडिट पूरे करने होंगे।

पाठ्यक्रमों की सूची

प्रश्न-पत्र कूट	**प्रश्न-पत्र का शीर्षक**	**क्रेडिट्स**
मुख्य प्रश्न-पत्र (अनिवार्य)		
मूल प्रश्न-पत्र	**प्रश्न-पत्र : एक**	4 **क्रेडिट्स**
HPSD01	हिंदी पाठ-संपादन का स्वरूप और प्रकार्य	
इकाई 1: पाठ और उसका संपादन	1. पाठ : परिचय और स्वरूप 2. पाठ के प्रकार : प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल 3. पाठ-संपादन : अर्थ, अवधारणा और परिभाषा 4. संपादन कार्य : उद्देश्य और महत्त्व	
इकाई 2: संपादन के शिल्प और सिद्धांत	1. संपादन कला 2. संपादन के शिल्प और सोपान 3. संपादन के उपकरण, तकनीक और सावधानियाँ 4. संपादन के सिद्धांत	
इकाई 3: संपादन प्रक्रिया	1. संपादन प्रक्रिया : विविध आयाम 2. पाठ्य-सामग्री का प्रबंधन, चयन और प्रस्तुतीकरण 3. संपादन के चरण, आमुख की बनावट-बुनावट और प्रकार, शीर्षक लेखन 4. शैली पुस्तिका की रचना : उपयोग और महत्त्व	
इकाई 3 : संपादकीय विभाग का ढाँचागत स्वरूप	1. पत्र-पत्रिकाओं के कार्यालय का ढाँचा 2. संपादकीय विभाग की संरचना 3. संपादकीय विभाग की कार्य-प्रणाली 4. संपादक के कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व	

पाठ्य-सामग्री की सूची	• George, T. J. S. (1989). Editing: A handbook for journalists. Indian Institute of Mass Communication, New Delhi. • Gopalan, R. (2019). A handbook of copy-editing. BUUKS, Chennai. • Kundra, S. (2005). Editing techniques. Anmol Publications Pvt. Ltd., New Delhi. • Ravindran, R. K. (1999). Handbook of reporting and editing. Anmol Publications Pvt. Ltd., New Delhi. • Saxena, A. (2007). Fundamentals of reporting and editing. Kanishka Publishers, New Delhi. • Saxena, S. (2006). Headline writing. SAGE Publications, New Delhi. • Strunk, W. (2010). The elements of style. BN Publishing, New York. • भगत, अरुण कुमार. (2006). संपादन-कला : सिद्धांत से व्यवहार तक. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। • मोहन, हरि. (2017). संपादन कला एवं प्रूफ-पठन. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली। • शर्मा, रामप्रकाश. (2018). संपादन कला. अकादमिक पब्लिकेशन, नई दिल्ली। • सिंह, कन्हैयालाल. (2008). पाठ-संपादन के सिद्धांत. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। • सिंह, कन्हैयालाल. (2011). हिंदी पाठानुसंधान. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।	
मूल प्रश्न-पत्र :	**प्रश्न-पत्र : दो**	4 **क्रेडिट्स**
HPSD02	हिंदी भाषा का विकास तथा भाषा-कौशल	
इकाई 1: भाषा : उद्भव और विकास	1. भाषा : अर्थ और अवधारणा 2. भाषा : विशेषताएँ और सीमाएँ 3. हिंदी भाषा : उद्भव और विकास 4. हिंदी और हिंदी की बोलियाँ	
इकाई 2: हिंदी का मानकीकरण	1. भाषा के आधुनिकीकरण और मानकीकरण की प्रक्रिया 2. लिपि का मानकीकरण 3. भाषा का मानकीकरण 4. हिंदी के मानकीकरण के आधारभूत लक्षण	
इकाई 3: अशुद्धि-शोधन	1. अशुद्धि-शोधन का महत्त्व 2. अशुद्धि-शोधन के प्रकार 3. अशुद्धि-शोधन की प्रविधि 4. अशुद्धि-शोधक के गुण एवं महत्त्वपूर्ण चिह्न	

इकाई 4: वर्तनी और व्याकरण	1. वर्तनी की एकरूपता 2. शब्द के रूप : तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशज 3. लिंग, वचन और कारक 4. विराम-चिह्न और उनका प्रयोग	
पाठ्य-सामग्री की सूची	• अग्रवाल, वासुदेवशरण. (2008). भाषा, विचार और संस्कृति. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन। • केंद्रीय हिंदी निदेशालय. (2024). देवनागरी लिपि एवं हिंदी वर्तनी का मानकीकरण. नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय। • द्विवेदी, हजारीप्रसाद. (2006). हिंदी भाषा का विकास. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन। • तिवारी, भोलानाथ. (2010). भाषा-विज्ञान और भाषा-अध्ययन. आगरा: किताब महल। • नागरी प्रचारिणी सभा. (2007). मानक हिंदी वर्तनी कोश. वाराणसी: नागरी प्रचारिणी सभा। • पांडेय, रामकुमार. (2015). भाषा-कौशल और हिंदी शिक्षण. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन। • मिश्र, विद्यानिवास. (2012). हिंदी भाषा : उद्भव और विकास. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन। • मिश्र, शिवकुमार. (2016). भाषा-कौशल विकास और शिक्षण पद्धति. इलाहाबाद: साहित्य भवन। • वर्मा, धीरेन्द्र. (2009). हिंदी भाषा और उसकी विकास-यात्रा. इलाहाबाद: साहित्य भवन। • शर्मा, रामप्रकाश. (2015). हिंदी वर्तनी और शुद्ध लेखन. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन। • शर्मा, सत्यदेव. (2013). हिंदी भाषा-शिक्षण : सिद्धांत और प्रयोग. नई दिल्ली: नेशनल पब्लिशिंग हाउस। • शुक्ल, बदरीनाथ. (2012). हिंदी वर्तनी : समस्या और समाधान. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन। • शुक्ल, रामचंद्र. (2010). हिंदी भाषा का इतिहास. वाराणसी: नागरी प्रचारिणी सभा। • सिंह, कन्हैयालाल. (2014). हिंदी भाषा-शुद्धि और वर्तनी. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन। • सिंह, रामदेव शुक्ल. (2011). हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन।	
मूल प्रश्न-पत्र :	**प्रश्न-पत्र : तीन**	4 **क्रेडिट्स**
HPSD03	कंप्यूटर आधारित अनुप्रयोग : संपादन और शोधन	

इकाई 1: कंप्यूटर एवं प्रचालन प्रणाली का परिचय	1. कंप्यूटर की संरचना, पीढ़ी एवं कंप्यूटर कोड: ISCII, ASCII एवं UNICODE 2. प्रचालन प्रणाली : विंडोज एवं एँड्रायड की आधारभूत संरचना एवं स्थानीय भाषाओं का समर्थन 3. कंप्यूटर की स्मृति: प्राथमिक एवं द्वितीयक 4. हिंदी टाइपिंग प्रणाली- इनस्क्रिप्ट, फोनेटिक, रेमिंगटन (पारंपरिक टाइपिंग प्रणाली)
इकाई 2: शब्द संसाधन एवं हिंदी संपादन	1. वर्ड प्रोसेसिंग पैकेज में पाठ लिखने एवं संपादन की विधियाँ 2. पाठ का प्रारूपीकरण - फॉन्ट स्टाइल, वर्णों के बीच में खाली स्थान का प्रबंधन एवं फॉर्मेट पेंटर का उपयोग 3. पैरा की साज-सज्जा, पृष्ठ शीर्ष (Header) एवं पृष्ठ पाद (Footer), तालिका का निर्माण एवं प्रबंधन 4. दस्तावेज की समीक्षा (Review), दस्तावेज में चित्र, आकृति एवं 'वर्ड-आर्ट' जोड़ना, वर्तनी और व्याकरण अशुद्धि जाँचक का उपयोग, दस्तावेज का पूर्वावलोकन (Preview), मुद्रण और शेयरिंग से संबंधित विधियों का उपयोग
इकाई 3: डेस्कटॉप पब्लिशिंग (DTP)	1. डेस्कटॉप पब्लिशिंग की अवधारणा एवं महत्त्व 2. प्रिंट मीडिया एवं डिजिटल मीडिया में डेस्कटॉप पब्लिशिंग की भूमिका 3. डेस्कटॉप पब्लिशिंग के महत्त्वपूर्ण कार्य : नए दस्तावेज बनाना, संपादन करना, सहेजना, पेज जोड़ना व हटाना, आकृति जोड़ना, लाइन बनाना, आकृति के कोने को गोलाकार बनाना, दस्तावेज का पीडीएफ (.pdf) बनाना और प्रिंट निकालना 4. फॉन्ट का चयन एवं स्टाइलिंग और पैराग्राफ प्रारूपीकरण
इकाई 4: पाठ-संपादन में कृत्रिम मेधा का उपयोग	1. कृत्रिम मेधा : परिचय एवं प्रमुख टूल 2. पाठ-संपादन एवं अशुद्धि-शोधन में कृत्रिम मेधा उपकरणों का अनुप्रयोग 3. प्रॉम्प्ट लेखन की सावधानियाँ एवं पाठ के सारांशीकरण में कृत्रिम मेधा का उपयोग 4. कृत्रिम मेधा और पाठ-संग्रहण के विभिन्न टूल: ओसीआर (OCR), वाक् से पाठ (Speech to Text), लिप्यंतरण
पाठ्य-सामग्री की सूची	● बंगिया, रमेश. (2011). लर्निंग डेस्कटॉप पब्लिशिंग. नई दिल्ली: खन्ना बुक पब्लिशिंग। ● धिवर, के. (2023). कंप्यूटर फंडामेंटल्स एवं एम.एस. ऑफिस. नई दिल्ली: शाश्वत पब्लिकेशन। ● मल्होत्रा, विजय कुमार. (2018). कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन। ● सिंह, आर. एन. (2024). कंप्यूटर अनुप्रयोग का परिचय. नई दिल्ली: भारतीय साहित्य इंक। ● एन.सी.ई.आर.टी. (2021). कंप्यूटर और संचार प्रौद्योगिकी — वर्ड प्रोसेसिंग टूल (शब्द-संसाधन). नई दिल्ली: राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।

	• एन.सी.ई.आर.टी. (2021). कंप्यूटर और संचार प्रौद्योगिकी - परियोजना आधारित अधिगम (प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग). नई दिल्ली: राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।	
मूल प्रश्न-पत्र :	**प्रश्न-पत्र : चार**	**4 क्रेडिट्स**
HPSD04	डिजिटल मीडिया और संपादन : स्वरूप एवं संभावनाएँ	
इकाई 1: डिजिटल मीडिया का परिचय	1. डिजिटल मीडिया : हिंदी का डिजिटल परिवेश 2. भारत में इंटरनेट का संक्षिप्त इतिहास : वेब से ऐप तक 3. पारंपरिक बनाम डिजिटल पत्रकारिता 4. जनसंचार माध्यम : वेबसाईट, पोर्टल, ऐप, ब्लॉग, सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और मैसेंजर ऐप्स (वाट्सएप और टेलीग्राम)	
इकाई 2: डिजिटल सामग्री-निर्माण एवं संपादन	1. संपादन कौशल : शीर्षक और आमुख संपादन में ऐप/टूल्स का इस्तेमाल, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO) का प्रसंग 2. मल्टीमीडिया समावेशन (inclusion): तस्वीरें, इन्फोग्राफिक्स, ऑडियो-वीडियो का प्रभावी उपयोग 3. दृश्य-श्रव्य सामग्री : बेसिक वीडियो स्क्रिप्टिंग, स्टोरीबोर्डिंग और पॉडकास्ट की योजना 4. ऑनलाइन सामग्री के उपयोग में कानूनी पहलू	
इकाई 3: डिजिटल मंच और प्रबंधन	1. ब्लॉग/वेबसाईट : संरचना एवं बुनियादी प्रबंधन 2. सोशल मीडिया : हिंदी में 'एंगेजमेंट' बढ़ाने की रणनीतियाँ 3. यूट्यूब/पॉडकास्ट : चैनल-निर्माण, विश्लेषण और विस्तार की रणनीति 4. मैसेंजर ऐप्स (व्हाट्सएप और टेलीग्राम) : समुदाय-निर्माण और सूचना-प्रसार	
इकाई 4: डिजिटल मीडिया : चुनौतियाँ, नैतिकता और भविष्य	1. फेक न्यूज और सूचना की सत्यता : तथ्य-जाँच (Fact Check) के उपकरण और जिम्मेदारी 2. साइबर कानून और निजता : सूचना-प्रौद्योगिकी अधिनियम, हिंदी में साइबर सुरक्षा जागरूकता 3. ऑनलाइन दुर्व्यवहार और आपत्तिजनक सामग्री : निपटने के तरीके 4. हिंदी डिजिटल मीडिया : स्थानीयकरण और संस्कृतियों का अंतरमिलन	
पाठ्य-सामग्री की सूची	• बाजवा, सेवा सिंह. (2020). सोशल मीडिया के विविध आयाम. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन। • बोरा, रीतिका. (2018). बेसिक ऑफ़ सोशल मीडिया ऐंड डिजिटल जर्नलिज़्म. नई दिल्ली: कनिष्क पब्लिशर्स। • कैरोल, ब्रायन. (2022). राइटिंग ऐंड एडिटिंग फ़ॉर डिजिटल मीडिया (चतुर्थ संस्करण). लंदन–न्यूयॉर्क: रूटलेज। • नेग्रोपोंटे, निकोलस. (1995). बीइंग डिजिटल. न्यूयॉर्क: नॉप्फ। • नारगुंडे, सोनाली (संपा.). (2019). डिजिटल मीडिया और हिंदी. जयपुर: रिगी पब्लिकेशन्स। • तिवारी, शैलेन्द्र. (2017). डिजिटल मीडिया–खबर, फ़ेसबुक और व्हाट्सऐप. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।	

	• त्रिपाठी, अरिमर्दन कुमार. (2019). भाषा एवं डिजिटल लोकतंत्र. दिल्ली: टुडे एंड टुमारो प्रिंटर एण्ड पब्लिशर। • त्रिपाठी, अरिमर्दन कुमार. (2022). सूचना-प्रौद्योगिकी की सामाजिकी. जयपुर: प्राकृत भारती अकादमी। • फ़्रैंकलिन, बॉब, एवं एल्ड्रिज द्वितीय, स्कॉट ए. (संपा.). (2017). द रूटलेज कम्पैनियन टू डिजिटल जर्नलिज़्म स्टडीज़. लंदन–न्यूयॉर्क: रूटलेज। • वार्ड्रिप-फ़्रुइन, नूह. (2009). एक्सप्रेसिव प्रोसेसिंग: डिजिटल फ़िक्शंस, कंप्यूटर गेम्स, ऐंड सॉफ़्टवेयर स्टडीज़. कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स: एमआईटी प्रेस। • वार्ड्रिप-फ़्रुइन, नूह, एवं मोंटफोर्ट, निक (संपा.). (2003). द न्यू मीडिया रीडर. कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स: एमआईटी प्रेस।	
मूल प्रश्न-पत्र :	**प्रश्न-पत्र : पाँच**	4 **क्रेडिट्स**
HPSD05	भाषा-संरचना और अनुप्रयोग	
इकाई 1: हिंदी की ध्वनि-व्यवस्था	1. स्वर और व्यंजन : परिभाषा, वर्गीकरण 2. हिंदी की वर्ण-व्यवस्था 3. हिंदी-ध्वनियों की उच्चारणगत विशेषताएँ 4. संयुक्ताक्षरों की बनावट और भ्रम की स्थितियाँ	
इकाई 2: हिंदी की शब्द-व्यवस्था	1. शब्द-रचना 2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यव 3. उपसर्ग और प्रत्यय 4. पारिभाषिक शब्दावली	
इकाई 3: हिंदी की वाक्य-संरचना	1. वाक्य की परिभाषा 2. पदबंध और उपवाक्य 3. वाक्यात्मक युक्तियाँ : चयन, संदर्भ, पदक्रम एवं अन्विति 4. वाक्य के भेद	
इकाई 4: हिंदी में प्रोक्ति-विधान	1. प्रोक्ति का परिचय 2. तार्किक संसक्ति 3. अर्थ-संगति 4. अर्थ-निरूपण	
पाठ्य-सामग्री की सूची	• अग्निहोत्री, रमाकांत. (2007). भाषा, समाज और शिक्षा. नई दिल्ली: ओरिएंट ब्लैकस्वान। • अग्निहोत्री, रमाकांत एवं खन्ना, अरविंद (संपा.). (1994). अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान. नई दिल्ली: केंद्रीय हिंदी निदेशालय। • बाहरी, हरदेव. (1998). हिंदी भाषा की संरचना. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन। • भाटिया, कैलाशचंद्र. (2001). आधुनिक हिंदी की संरचना. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन। • तिवारी, भोलानाथ. (1996). भाषाविज्ञान. इलाहाबाद: किताब महल।	

	• द्विवेदी, कपिल देव. (2004). भाषाविज्ञान की भूमिका. वाराणसी: विश्वविद्यालया प्रकाशन। • गुरु, कामता प्रसाद. (1982). हिंदी व्याकरण. वाराणसी: नागरी प्रचारिणी सभा। • मिश्र, कृष्णकांत. (2010). भाषा-प्रयोग के विविध आयाम. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन। • मिश्र, सत्यदेव. (2008). भाषा-प्रयोग और शिक्षण. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन। • शर्मा, देवेंद्रनाथ. (2005). भाषाविज्ञान. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन। • शर्मा, रामविलास. (1997). भाषा और समाज. नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन। • श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (2006). भाषा और संप्रेषण. नई दिल्ली: प्रभात प्रकाशन। • शुक्ल, विनोद कुमार. (2011). भाषा-बोध और अभिव्यक्ति. नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन।
वैकल्पिक प्रश्न-पत्र (कम से कम एक प्रश्न-पत्र का चुनाव करना होगा) 4 क्रेडिट्स	
HPSD06	हिंदी में वेबपृष्ठ-निर्माण एवं पाठ-संपादन
इकाई 1: इंटरनेट एवं वेब	1. इंटरनेट का उद्भव एवं विकास 2. वेबसाईट : संरचना एवं प्रकार 3. वेबसाईट-निर्माण की प्रक्रिया (यू.आर.एल., डोमेन नेम, ई-मेल- POP, वेब-आधारित मेल, पोर्टल, एफ.टी.पी., वेब ब्राउज़र, वेब सर्वर) 4. हिंदी-वेबसाईट का निर्माण एवं पाठ-संकलन की चुनौतियाँ
इकाई 2: वेब पर पाठ-संपादन की प्रक्रिया	1. वेब-सामग्री के विभिन्न रूप : पाठ, ऑडियो, वीडियो आदि 2. वेब-संपादन के विभिन्न चरण 3. एच.टी.एम.एल. के विभिन्न संस्करण 4. वेब-पाठ का स्वरूप एवं एचटीएमएल के विभिन्न टैग
इकाई 3: वेब-पाठ की विभिन्न शैलियाँ	1. पाठ-निर्माण के विभिन्न टूल्स 2. बूट्स स्ट्रेप 4.0 की विशेषताएँ 3. जावा स्क्रिप्ट का उपयोग 4. कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम (CMS) और जावा स्क्रिप्ट का संयुक्त उपयोग
इकाई 4: वेब-पाठ-संपादन के उपकरण	1. वर्ड व एक्सेल फाइलों का HTML में परिवर्तन 2. वेब-डिजाइन के विभिन्न टूल 3. कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम (CMS) आधारित वेब-डिजाइनिंग टूल : वर्ड प्रेस/ब्लॉग स्पॉट 4. कृत्रिम मेधा एवं ग्राफिक्स-निर्माण

पाठ्य-सामग्री की सूची	• Carroll, B. (2023). Writing and editing for digital media (5th ed.). New York, NY: Routledge. • Duckett, J. (2014). HTML and CSS: Design and build websites. Hoboken, NJ: Wiley. • Felke-Morris, T. (2016). Basics of web design: HTML5 & CSS3. Boston, MA: Pearson. • Flanagan, D. (2020). JavaScript: The definitive guide (7th ed.). Sebastopol, CA: O'Reilly Media. • Frain, B. (2025). Responsive web design with HTML5 and CSS (Latest edition). London, UK: [Publisher]. • Jain, S. P. (2020). Web designing and publishing: O' Level made simple. New Delhi, India: BPB Publications. • Lieb, T. (2015). Editing for the digital age. Washington, DC: CQ Press / SAGE Publications. • McGrath, M. (2021). HTML5 in easy steps. Somerset, UK: In Easy Steps Ltd. • Meloni, J. C., & Kyrin, J. (2022). HTML, CSS, and JavaScript all in one (Sams Teach Yourself). Boston, MA: Pearson. • Meena, S., & Balasubramanian, P. (2021). E-Publishing and web technology. New Delhi, India: Independent Publishers Group. • Myers, M. (2015). A smarter way to learn HTML & CSS: Learn it faster. Remember it longer. Scotts Valley, CA: CreateSpace Independent Publishing Platform. • Quinn, S. (2016). Digital sub-editing and design. Abingdon, UK: Taylor & Francis Group. • Robbins, J. N. (2018). Learning web design: A beginner's guide to HTML, CSS, JavaScript, and web graphics (5th ed.). Sebastopol, CA: O'Reilly Media. • Shea, D., & Holzschlag, M. E. (2005). The Zen of CSS design: Visual enlightenment for the web. Berkeley, CA: Peachpit Press. • Zeldman, J., & Marcotte, E. (2009). Designing with web standards (3rd ed.). Berkeley, CA: New Riders.
HPSD07	सर्जनात्मक लेखन एवं संपादन
इकाई 1: सर्जनात्मक लेखन का संपादन	1. कविता : विविध रूप और उसकी विशेषताएँ 2. कहानी : विशेषताएँ, तत्त्व और संपादन की चुनौतियाँ 3. उपन्यास : विशेषताएँ, तत्त्व और सावधानियाँ 4. नाटक : संवाद और संपादन

इकाई 2: कथेतर गद्य का संपादन	1. यात्रा-वृत्तांत : तत्त्व और विशेषताएँ 2. संस्मरण : तत्त्व और विशेषताएँ 3. रिपोर्ताज : तत्त्व और विशेषताएँ 4. आत्मकथा/जीवनी : तत्त्व और विशेषताएँ
इकाई 3: पत्रकारीय लेखन का संपादन	1. आलेख : ज्वलंत मुद्दों पर आधारित, समसामयिक एवं आर्थिक 2. फीचर : प्रकार एवं विशेषताएँ 3. स्तंभ- लेखन : साप्ताहिक, पाक्षिक एवं मासिक 4. समीक्षा : पुस्तक समीक्षा, कला, सिनेमा एवं फैशन आदि
इकाई 4: विविध लेखन एवं संपादन	1. कार्यालयीन दस्तावेज 2. प्रचार-प्रसार सामग्री - ब्रोशर, हैंडआउट एवं विज्ञापन 3. अनूदित साहित्य सामग्री 4. तकनीकी शब्दावली युक्त सामग्री - बैंक, बीमा, विज्ञान आदि
पाठ्य-सामग्री की सूची	● भगत, अरुण कुमार (2022). पत्रकारिता: सर्जनात्मक लेखन और रचना-प्रक्रिया. नई दिल्ली, भारत: नेशनल बुक ट्रस्ट। ● गौतम, रमेश (2022). रचनात्मक लेखन. नई दिल्ली, भारत: भारतीय ज्ञानपीठ। ● कुलश्रेष्ठ, विजय (2007). हिन्दी पत्रकारिता और सर्जनात्मक लेखन. जयपुर, भारत: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी। ● मांगलिक, रोहित (2024). सर्जनात्मक लेखन और कौशल विकास. दिल्ली, भारत: एडूगोरिल्ला पब्लिकेशन।
HPSD08	पुस्तक-संपादन
इकाई 1: पुस्तकों का निर्माण और संपादन	1. पुस्तक-संपादन की विशेषता और महत्त्व 2. पुस्तक-निर्माण की प्रक्रिया : पांडुलिपि चयन से प्रकाशन तक 3. पुस्तक-संपादन के विभिन्न स्तर : विषयवस्तु-संपादन, विषयवस्तु का प्रस्तुतीकरण, भाषा-संपादन एवं समग्र प्रस्तुतीकरण 4. पुस्तक-संपादन में सावधानियाँ : तथ्यों एवं उद्धरणों को जाँचने की प्रक्रिया/मूल स्रोत की तलाश
इकाई 2: पुस्तकों के विभिन्न प्रकार और उनका संपादन	1. साहित्यिक पुस्तकों का संपादन 2. पाठ्यपुस्तकों का संपादन 3. बच्चों की पुस्तकों का संपादन (कॉमिक्स एवं चित्र पुस्तकें) 4. अकादमिक पुस्तकों/जर्नल का संपादन
इकाई 3: पुस्तक संपादन के तकनीकी पहलू	1. पुस्तक के विभिन्न भाग - अग्र भाग (फ्रन्ट मैटर), मुख्य भाग (कोर मैटर), पश्च भाग (बैक मैटर) 2. आवरण पृष्ठ, पृष्ठ-सज्जा एवं अभिकल्प (ले आउट, फॉन्ट चयन, फोलियो) 3. रंग-योजना 4. रेखांकन, चित्रण, मानचित्र, तालिका, चार्ट एवं ग्राफिक्स

इकाई 4: पुस्तक संपादन के विविध आयाम	1. कॉपीराइट एवं बौद्धिक संपदा अधिकार कानून 2. संदर्भ एवं संदर्भग्रंथ-सूची - विभिन्न शैलियाँ 3. लेखक-संपादक द्वैत/संबंध 4. पुस्तकों की बदलती दुनिया और संपादकीय चुनौतियाँ (ऑडियो-विजुअल पुस्तकें एवं ई-पुस्तकें)
पाठ्य-सामग्री की सूची	• ग्रोस, जे.सी. (संपा.). (1993). एडिटर्स ऑन एडिटिंग: व्हाट राइटर्स नीड टू नो अबाउट व्हाट एडिटर्स डू. न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क, यूएसए: ग्रोव प्रेस। • शर्मा, राम प्रकाश. (2018). संपादन कला. नई दिल्ली, भारत: एकेडेमिक पब्लिकेशन। • यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो प्रेस. (2024). द चिकागो मैनुअल ऑफ़ स्टाइल (18वीं संस्करण). शिकागो, इलिनॉय, यूएसए: यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो प्रेस। • टुराबियन, केट एल. (2018). ए मैनुअल फॉर राइटर्स ऑफ़ रिसर्च पेपर्स, थीसिस, एंड डिसर्टेशंस. (वेन् सी. बूट, ग्रेगरी जी. कोलंब, जोसेफ एम. विलियम्स, एड.) शिकागो, इलिनॉय, यूएसए: यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो प्रेस।

ट्यूटोरियल (अनिवार्य)		
HPSD09	संपादन का अभ्यास कार्य एवं अकादमिक संप्रेषण (सेमिनार, कार्यशाला, व्याख्यान आदि)	8 क्रेडिट्स
HPSD10	परियोजना कार्य	8 क्रेडिट्स

परीक्षा और मूल्यांकन: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग क्रेडिट आधारित सेमेस्टर प्रणाली के तहत ग्रेड और सीजीपीए प्रदान करने में निम्नलिखित प्रणाली लागू की जाएगी। जो निम्नलिखित है-

अक्षर ग्रेड और ग्रेड अंक:

I. किसी कोर्स में ग्रेड देने के लिए दो तरीके - सापेक्ष ग्रेडिंग या निरपेक्ष ग्रेडिंग - प्रचलित हैं। सापेक्ष ग्रेडिंग कोर्स के सभी छात्रों द्वारा प्राप्त अंकों के वितरण (आमतौर पर सामान्य वितरण) पर आधारित होती है और ग्रेड कट-ऑफ अंकों या प्रतिशत के आधार पर दिए जाते हैं। निरपेक्ष ग्रेडिंग के तहत, अंकों को पूर्व-निर्धारित कक्षा अंतराल के आधार पर ग्रेड में बदल दिया जाता है। निम्नलिखित ग्रेडिंग प्रणाली को लागू करने के लिए, कॉलेज और विश्वविद्यालय उपर्युक्त विधियों में से किसी एक का उपयोग कर सकते हैं।

II. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुसार निम्नलिखित अक्षर ग्रेड के साथ 10-बिंदु ग्रेडिंग प्रणाली का प्रयोग किया जाएगा-

अक्षर कोड	ग्रेड अंक
O (Outstanding)	10
A+(Excellent)	9
A(Very Good)	8
B+(Good)	7

B(Above Average)	6
C(Average)	5
F(Fail)	0
Ab (Absent)	0

एसजीपीए और सीजीपीए की गणना: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) और संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) की गणना करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया का प्रयोग किया जाएगा-

I. **एसजीपीए** छात्र द्वारा लिए गए पाठ्यक्रम में क्रेडिट की संख्या और उसके द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट के गुणनफल के योग और छात्र द्वारा किए गए सभी पाठ्यक्रमों के क्रेडिट की संख्या के योग का अनुपात है, अर्थात् एसजीपीए (एसआई) = Σ(सीआई x जीआई) / Σसीआई (सीआई छमाही में कोर्स (**प्रश्न-पत्र**) के क्रेडिट की संख्या है और जीआई छमाही कोर्स (**प्रश्न-पत्र**) में छात्र द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वाइंट है।)

II. **सीजीपीए** की गणना छात्र द्वारा पाठ्यक्रम में लिए गए प्रश्नपत्रों को ध्यान में रखा जाता है, अर्थात् सीजीपीए = Σ(सी आई x एस आई) / Σ सीआई जहाँ एसआई सेमेस्टर का एसजीपीए है और सीआई उस सेमेस्टर में कुल क्रेडिट की संख्या है।

III. एसजीपीए और सीजीपीए को 2 दशमलव अंकों तक पूर्णांकित किया जाएगा और प्रतिलेखों में रिपोर्ट किया जाएगा।

प्रमाणपत्र का प्रारूप: प्रमाण-पत्र संस्थान के मूल प्रारूपों के अनुसार तैयार होगा।

प्रश्न-पत्र का प्रारूप: प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें सैद्धांतिक 70 अंक तथा आंतरिक परीक्षा 30 अंकों की रखी जाएगी। विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने के लिए सैद्धांतिक और आंतरिक परीक्षा में न्यूनतम अंक 45% प्राप्त करने होंगे। लिखित (सैद्धांतिक) प्रश्न-पत्र कुल 70 अंकों का होगा। जिसके प्रश्नों का विभाजन इस प्रकार होगा-

ग्रुप अ- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
ग्रुप ब – लघु उत्तरीय प्रश्न
ग्रुप स- वहुबिकल्पीय प्रश्न

शुल्क-विवरण: केंद्रीय हिंदी संस्थान के मानक के अनुरूप।